बीते दिन

शानवास / २-पि. डि. सि.

हाँ,, कभी हम स्कूल जाया करते थे,
दौडती बस का इन्तजार किया करते थे ।
आगे खडी हसीनों से मुस्कुराया भी करते थे,
उनके मुडते चेहरों के गुस्से को महसूस किया करते थे ।

वहाँ उस बेंचपर बैठकर हम पढते थे,
कभी कभी दोस्तों से झगडा भी करते थे ।
अकसर हम उन्हें माफ किया करते थे
कभी किसी को प्यार से समझाया भी करते थे ।

लेकिन कभी उनकी शिकायत भी करते थे
ज़रूरत पडी तो मार भी खाया करते थे ।
लेकिन हाँ, हम पढाई भी करते थे
शाम को हम पढाई खतम किया करते थे ।

और फिर कुछ और भी किया करते थे ।
कभी कभी तो हम प्यार भी किया करते थे
और उनकी बेवफाई को बरदाइत किया करते थे
हाँ, कभी हम स्कूल जाया करते थे ।
अब तो हमे सिर्फ उन दिनों की याद किया करते हैं

करती-गीत

टी- सुदर्शन

इस जहाँ के रहनेवालो
यादों में खो जानेवालो
जिन्दगी में कभी नहीं होना बेकरार ।।1।।

दर्द दिल का हो जाये कम
रस्ता नया मिले हरदम
जाने दो इन करितयों को जल्दी उस पार ।।2।।

अंधेरा फैल जाये लेकिन
आयेंगे फिर चमकीले दिन
कोई राक इसमें नहीं, कर लो एतबार ।।3।।

औरों का काम करनेवालो
आहें भर के जीनेवालो
खुशहाली केलिए थोडा करना इंतज़ार ।।4।।

यह तो सब करेंगे कबूल
लालच है दुःखों का मूल
आये जाये गम और खुशी का भाटा-ज्वार ।।5।।

आगे कितनी हैं राहें
हाथों में जलते अरबाहें
नारे जोर से लगाये पर न छूटे पतवार ।।6।।

पानी बहे नीचे की ओर
बूढ़ा बने इक दिन किशोर
यों तो कुदरत के है हजारों चमत्कार ।।7।।

साथी, बन जाये दुश्मन
तो भी मत होना अनबन
बदलेगी पतझड बन के बहार ।।8।।

मन से पूछ ले तो सवाल
तन में आ जायेगी मजाल
वरना खडी होगी मुसीबतों की कतार ।।9।।

झूठ कभी कहना नहीं
चोरी फरेब करना नहीं
जानो, आँखें मूँद बैठे नहीं करतार ।।10।।

लेना है दिमाग से काम
चाहे कुछ भी हो अंजाम
सच्चे दिलवालों के सामने खुलेगा देव-द्वारा ।।11।।

गीतों के पंखों को लेकर
जग को नयी सीख देकर
अंजाने हम पहुँच गये यारो इस पार । ।।12।।